मंदसौर वनमंडल के भानपुरा परिक्षेत्र के ग्राम नावली में एक दिवसीय लाख प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन दिनांक 07/03/2026

राज्य वन अनुसन्धान संस्थान, जबलपुर एवं वन मण्डल मंदसौर के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 07/03/2026 को वन परिक्षेत्र भानपुरा के ग्राम नावली में 'लाख उत्पादन तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम' का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 45 से अधिक कृषकों, वन समिति सदस्यों तथा क्षेत्रीय वन अमले को लाख उत्पादन की उन्नत एवं वैज्ञानिक तकनीकों के संबंध में प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को लाख उत्पादन की उन्नत तकनीक, लाख कीट का जीवन चक्र, फसल चक्र, पोषक वृक्षों का चयन, वृक्षों की छंटाई (प्रूनिंग), कीट संचारण तथा फसल प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। किसानों को बताया गया कि वैज्ञानिक पद्धति से लाख की खेती करने पर कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है।

संस्थान के शोधार्थी बलराम लोधी द्वारा बताया गया कि लाख उत्पादन किसानों के लिए आय का एक महत्वपूर्ण स्रोत बन सकता है। यदि इसे वैज्ञानिक तरीके से अपनाया जाए तो ग्रामीणों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो सकती है तथा उन्हें अतिरिक्त आय के अवसर प्राप्त हो सकते हैं। साथ ही लाख की खेती से वन संसाधनों के संरक्षण और सतत उपयोग को भी प्रोत्साहन मिलता है।

व्याख्यान सत्र के पश्चात प्रशिक्षार्थियों को क्षेत्र में ले जाकर लाख उत्पादन से संबंधित हैंड–होल्डिंग प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिसमें पोषक वृक्षों की प्रूनिंग तथा लाख कीट के संचारण की तकनीकों का क्षेत्रीय प्रदर्शन किया गया। इस दौरान प्रतिभागियों को व्यावहारिक रूप से लाख उत्पादन की प्रक्रियाओं से अवगत कराया गया।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम श्री प्रदीप वासुदेवा, संचालक, राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर तथा वनमण्डलाधिकारी, मंदसौर के मार्गदर्शन एवं डॉ अनिरुद्ध मजूमदार, वैज्ञानिक के निर्देशन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उप-वनमण्डलाधिकारी गरोठ की उपस्थिति रही।

प्रशिक्षण में बलराम लोधी, भारत सिंह आर्मो तथा कामता सिंह सहित वन परिक्षेत्र अधिकारी भानपुरा एवं स्थानीय वन अमला उपस्थित रहा। साथ ही ग्राम वन समिति के अध्यक्ष, सदस्यगण तथा क्षेत्र के पुरुष एवं महिला कृषकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

‘लाख उत्पादन’ पर एक दिवसीय तकनीकी प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न

बालाराम विश्वकर्मा संवाददाता

दैनिक उज्जवल,भानपुरा मध्यप्रदेश शासन के वन विभाग के निर्देशानुसार, वन परिक्षेत्र भानपुरा सामान्य वन मंडल मंदसौर एवं ग्राम वन समिति, नवली के संयुक्त तत्वावधान में आज ग्राम नवली में ‘लाख उत्पादन तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम’ का सफल आयोजन किया गया।

इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य वनों के संरक्षण के साथ-साथ ग्रामीणों को लघु वनोपज लाख के माध्यम से आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाना था। कार्यक्रम में राज्य वन अनुसंधान संस्थान स्स्त्रऋ्छ जबलपुर के विशेषज्ञों द्वारा तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

मुख्य अतिथि एवं उपस्थितिः

कार्यशाला में उप वन मंडल अधिकारी (स्छह) गरोठ, वन परिक्षेत्र अधिकारी भानपुरा, एवं स्थानीय वन अमला उपस्थित रहा। साथ ही ग्राम वन समिति नवली के अध्यक्ष, सदस्यगण और क्षेत्र के पुरुष एवं महिला कृषकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षणः

स्स्त्रऋ्छ जबलपुर से आए विशेषज्ञ दल, जिसमें बलराम लोधी यंग प्रोफेशनल भारत सिंह आर्मो लाख कल्चर अटेंडेंट एवं कामता सिंह लाख नर्सरी श्रमिक शामिल थे।

ग्रामीणों को बताए लाख की खेती के तकनीकी गुर, बढ़ेगी आय

आर्थिक स्वावलंबन: ग्रामीणों को वैज्ञानिक तरीके और प्रसंस्करण की जानकारी भी दी

भास्कर संवाददाता | भानपुरा

वन विभाग ने वन परिक्षेत्र भानपुरा और ग्राम वन समिति नवली के संयुक्त तत्वावधान में ग्राम नवली में लाख उत्पादन तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य वनों के संरक्षण के साथ ग्रामीणों को लघु वनोपज लाख के माध्यम से आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाना था। कार्यशाला में राज्य वन अनुसंधान संस्थान जबलपुर के विशेषज्ञों ने तकनीकी मार्गदर्शन दिया।

ग्रामीणों को जानकारी देते विशेषज्ञ।

वन विभाग के रेंजर अंकित भदौरिया ने बताया कि लाख उत्पादन ग्रामीणों के लिए आय का महत्वपूर्ण स्रोत बन सकता है। यदि इसे वैज्ञानिक तरीके से किया जाए, तो कम लागत में अच्छा लाभ मिल सकता है। प्रशिक्षण में ग्रामीणों को लाख उत्पादन की पूरी प्रक्रिया विस्तार से समझाई गई। कार्यक्रम में उप वन मंडल अधिकारी गरोठ, वन परिक्षेत्र अधिकारी भानपुरा और स्थानीय वन अमला मौजूद रहा। ग्राम वन समिति नवली के अध्यक्ष और सदस्य भी कार्यक्रम में शामिल हुए। क्षेत्र के पुरुष और महिला कृषकों ने उत्साह के साथ प्रशिक्षण में भाग लिया और लाख उत्पादन से जुड़ी जानकारी प्राप्त की। कार्यशाला के अंत में ग्रामीणों की शंकाओं का समाधान किया गया। उन्हें भविष्य में लाख उत्पादन बढ़ाने और इस कार्य से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

वृक्षों का चयन व रखरखाव के तरीके बताए

राज्य वन अनुसंधान संस्थान जबलपुर से आए विशेषज्ञ दल ने प्रशिक्षण दिया। इसमें बलराम लोधी (यंग प्रोफेशनल), भारत सिंह आर्मो (लाख कल्चर अटेंडेंट) और कामता सिंह (लाख नर्सरी श्रमिक) शामिल थे। विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को लाख की खेती के आधुनिक तरीकों के बारे में विस्तार से बताया। प्रशिक्षण के दौरान लाख के कीड़ों का वैज्ञानिक पालन कैसे किया जाए, इस पर जानकारी दी गई। लाख उत्पादन के लिए उपयुक्त वृक्षों का चयन और उनके रखरखाव के तरीके भी बताए गए। साथ ही लाख की कटाई और प्रसंस्करण की व्यावहारिक फील्ड ट्रेनिंग भी दी गई, ताकि किसान इसे व्यवहार में लागू कर सकें। अधिकारियों ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि लाख की खेती समृद्धि की ओर एक ठोस कदम है। इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ ग्रामीणों को उनके घर के पास ही आय का अतिरिक्त और मजबूत स्रोत मिलता है।

दैनिक भास्कर में हेल्पलाइन विज्ञापन के लिए संपर्क करें